

रॉबर्ट वानॉय , बाइबिल भविष्यवाणी की नींव, व्याख्यान 18

जोएल की संरचना और सामग्री

बी. जोएल की सामग्री

1. जोएल 1 का जोएल 2 से संबंध: फ्रीमैन

जब आप जोएल की सामग्री तक पहुंचते हैं तो एक महत्वपूर्ण प्रश्न जिसे आपको हल करना है वह अध्याय 1 और अध्याय 2 के बीच संबंध का प्रश्न है। होबार्ट फ्रीमैन के, *पुराने नियम के पैगंबरों का परिचय*, वह व्याख्या के आसपास केंद्रित पुस्तक के विभिन्न दृष्टिकोणों के बारे में बात करता है। पहले दो अध्यायों के संबंध के बारे में। वह यहां एब और सी के रूप में सूचीबद्ध तीन दृश्य देते हैं।

एक। सर्वनाशकारी व्याख्या ए. वह वही है जिसे वह अपनाता है और मुझे लगता है कि वह दृष्टिकोण अन्य विचारों की तुलना में पुस्तक में बेहतर फिट बैठता है। उन्होंने इसे "सर्वनाशकारी व्याख्या" का नाम दिया है। यदि आप इसे संक्षेप में समझें तो यह दृष्टिकोण अध्याय 1 को शाब्दिक और अध्याय 2 को आलंकारिक रूप में समझने की क्षमता देता है। जैसा कि मैंने यहां हैंडआउट में कहा है, इस तरह का दृष्टिकोण अध्याय 1 को वास्तविक टिड्डी प्लेग के शाब्दिक विवरण के रूप में लेता है जिसने हाल ही में भूमि को तबाह कर दिया था। फिर जोएल उस विवरण का उपयोग अध्याय 2 में सर्वनाशकारी कल्पना के लिए करता है जहां वह बाद के दिनों में यहूदा पर उसके दुश्मनों द्वारा भविष्य में होने वाले आक्रमण का वर्णन कर रहा है। इसलिए अध्याय 1 शाब्दिक होगा और अध्याय 2 एक आलंकारिक विस्तार होगा जिसमें एक युगांतकारी घटना का वर्णन करने के लिए टिड्ड़ियों की कल्पना का उपयोग किया जाएगा।

बी। रूपक व्याख्या

दूसरा दृश्य बी. दोनों अध्यायों को आलंकारिक रूप से लेता है। फ्रीमैन इसे "सर्वनाशकारी" दृष्टिकोण के विपरीत "एक रूपक" कहते हैं। यह दोनों अध्यायों को आलंकारिक रूप से लेता है और उनमें उनके भविष्य के इतिहास में दुश्मन के हमलों की एक श्रृंखला का वर्णन देखता है।

टिड्डियों के चार प्रकारों का उल्लेख 1:4 में किया गया है, जहाँ आप पढ़ते हैं, "टिड्डियों के झुंड ने जो कुछ छोड़ा है, उसे बड़ी टिड्डियों ने खा लिया है, बड़ी टिड्डियों ने जो कुछ छोड़ा है उसे युवा टिड्डियों ने खा लिया है, अन्य टिड्डियों ने खा लिया है।" इसे इज़राइल पर चार आक्रमणों के रूप में देखा जाता है। चार प्रकार की टिड्डियाँ असीरिया, बेबीलोन, ग्रीस और रोम का प्रतिनिधित्व करती हैं। अध्याय 2 अंत समय और सहस्राब्दी साम्राज्य की स्थापना का वर्णन है, लेकिन दोनों अध्याय आलंकारिक हैं।

सी। शाब्दिक दृश्य एक तीसरा दृश्य सी. दोनों अध्यायों को शाब्दिक रूप में लिया जाएगा और वह "शाब्दिक दृष्टिकोण" होगा। अध्याय 1 और अध्याय 2 दोनों ही गंभीर टिड्डियों की विपत्तियों का वर्णन करते हैं। अध्याय 2 में जो है वह अध्याय 1 से अधिक गंभीर है क्योंकि यह वह है जो भविष्य में प्रभु के दिन की शुरुआत करेगा।

इसलिए मुझे लगता है कि वे सहायक श्रेणियां हैं, दोनों आलंकारिक, दोनों शाब्दिक, या आलंकारिक और शाब्दिक का संयोजन। उत्तरार्द्ध फ्रीमैन के पदनाम "एपोकैलिप्टिक" में है, दोनों आलंकारिक "रूपक" है और दोनों शाब्दिक, वह कहते हैं, "शाब्दिक।" रिडरबोस दोनों को शाब्दिक रूप में देखता है। अध्याय 1 ग्रामीण इलाकों का विनाश, अध्याय 2 शहर में प्लेग का प्रवेश। लेकिन अध्याय 2 में उन्हें लगता है कि टिड्डियों की महामारी और प्रभु के दिन का मिश्रण है, इसलिए कुछ संदर्भ वर्तमान आपदा से परे एक महान भविष्य के फैसले की ओर इशारा करते हैं। दूसरे शब्दों में, रिडरबोस का दृष्टिकोण फ्रीमैन के सर्वनाशकारी और शाब्दिक दृष्टिकोण के बीच का मध्य होगा।

2. बैल का दृष्टिकोण

अपने हैंडआउट में अगला पृष्ठ देखें। आप इस पर पहले ही बुलॉक पढ़ चुके हैं। मैंने वहां बताया कि बुलॉक जोएल की व्याख्या करने के तरीकों को अलग-अलग तरीके से वर्गीकृत करता है। वह इस प्रश्न के तीन उत्तर देता है कि क्या 1:1-2:17 में टिड्डियों को ऐतिहासिक माना जाना चाहिए। हम पुस्तक 1:1-2:17 को विभाजित करने के उस तरीके पर वापस आने जा रहे हैं। वह

वास्तव में 1:1-2:17 को एक इकाई के रूप में लेता है। वह अध्याय 1 और 2 के बीच कोई ब्रेक नहीं लेता है। वह ब्रेक को अध्याय 2 के बीच में रखता है। लेकिन वह इस सवाल के तीन जवाब देता है कि क्या टिड्डियों का इस्तेमाल शाब्दिक तरीके से किया जाना चाहिए या नहीं। 1. जोएल के जीवनकाल में हुई टिड्डियों की महामारी का वर्णन करने वाला ऐतिहासिक शाब्दिक शब्द है। 2. रूपक है- टिड्डियां बेबीलोन, फारस, ग्रीस और रोम पर फिर से आक्रमण करने वाली सेनाओं का एक रूपक हैं। तीसरा "सर्वनाशकारी" है। वह फ्रीमैन की तुलना में सर्वनाश का अलग ढंग से उपयोग करता है। बुलॉक के विचार में सर्वनाशकारी श्रेणियाँ, उनका कहना है कि यह युगांतशास्त्रीय है - स्थलीय आक्रमणकारी नहीं बल्कि अलौकिक आक्रमणकारी जो प्रभु के दिन की शुरूआत करते हैं। मुझे नहीं पता कि उसे वह दृश्य कहां से मिलता है। उनका कहना है कि इसे व्यापक रूप से मान्यता नहीं दी गई है और वह इस बात का दस्तावेजीकरण नहीं करते हैं कि कौन ऐसा विचार रखता है। मुझे यकीन नहीं है कि यह विचार किसका है। वह इसकी वकालत करने वाले किसी का भी हवाला नहीं देते। बस इसलिए ताकि आप बुलॉक और फ्रीमैन के इन लेबलों को भ्रमित न करें। मेरा मानना है कि फ्रीमैन की श्रेणियां बुलॉक की तुलना में अधिक उपयोगी हैं। तो वास्तव में पाठ को देखने से पहले यह एक प्रश्न है। आप अध्याय 1 और अध्याय 2 के बीच संबंध को कैसे देखते हैं?

3. जोएल की संरचना और प्रभु का दिन एक दूसरा प्रश्न है जो प्रारंभिक विचार के रूप में भी महत्वपूर्ण है और वह है पुस्तक के माध्यम से सामग्री के प्रवाह में कालानुक्रमिक क्रम। पुस्तक के विभिन्न खंडों में घटनाओं के अस्थायी संबंध क्या हैं? इस बिंदु पर अस्पष्टता उन कारकों में से एक है जो पुस्तक की संरचना को समझना जटिल बनाती है और बदले में पुस्तक की व्याख्या को प्रभावित कर सकती है। बुलॉक सहित कई दुभाषियों ने पुस्तक को 2:17 पर विभाजित करके दो प्रमुख खंड बनाए हैं, 1:1-2:17 और 2:18 से अंत, 3:21। पुस्तक के पहले भाग को टिड्डियों की विपत्तियों और दैवीय न्याय पर विलाप के रूप में देखा जाता है। पुस्तक के दूसरे भाग को पश्चाताप के परिणामस्वरूप भाग्य में बदलाव से लेकर भविष्य के आशीर्वाद तक के वर्णन के रूप में देखा जाता है। बुलॉक और कुछ अन्य जो पुस्तक की इस संरचना को समझते हैं, 2:17 और 2:18 के बीच एक

प्रमुख विभाजन बिंदु देखते हैं। पुस्तक का दूसरा भाग 2:17 और 2:18 के बीच कल्पित पश्चाताप के परिणामस्वरूप भाग्य में बदलाव और भविष्य के आशीर्वाद का है। मेरे विचार में, इस तरह से पुस्तक की संरचना तैयार करने से पुस्तक की तीन अलग-अलग इकाइयों के बीच संबंध अस्पष्ट हो जाता है।

जहां तक संरचना का सवाल है तो मैं आपको एक वैकल्पिक सुझाव देता हूँ जो बुलॉक सुझा रहा है। मेरा विचार है कि पुस्तक की संरचना का विश्लेषण करते समय यह ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि 2:10 और 11 और 2:31 और 3:15 प्रभु के दिन के लिए एक समान संकेत देते हैं जिसे 2:1 में संदर्भित किया गया है। आ रहा। अब आइए उन तीन ग्रंथों पर नजर डालें। 2:10 और 11 कहता है, “ उनके साम्हने पृथ्वी हिल जाती है, आकाश कांप उठता है, सूर्य और चन्द्रमा अन्धेरे हो जाते हैं, और तारे फिर चमकते नहीं। यहोवा अपनी सेना के प्रधान पर गरजता है; उसकी सेनाएँ संख्या से परे हैं, और जो लोग उसकी आज्ञा का पालन करते हैं वे शक्तिशाली हैं। यहोवा का दिन महान है; यह भयानक है। इसे कौन सहन कर सकता है?” आपके पास यहां प्रभु के दिन का संदर्भ है। प्रभु के दिन के आने के संबंध में, आपके पास ये ब्रह्मांडीय संकेत हैं: सूर्य और चंद्रमा अंधेरे हो गए हैं और तारे अब चमकते नहीं हैं, प्रभु का दिन महान है। वह 2:10 और 11 बजे हैं।

2:31 देखें, “प्रभु के उस बड़े और भयानक दिन के आने से पहले सूर्य अंधकार और चंद्रमा रक्त हो जाएगा।” 2:31 में प्रभु का दिन लौकिक संकेतों के साथ आता है। योएल 3:14बी कहता है, “क्योंकि न्याय की तराई में यहोवा का दिन निकट है। सूर्य और चंद्रमा अंधकारमय हो जाएंगे, और तारे फिर चमकेंगे नहीं। यहोवा सिव्योन से गरजेगा, और यरूशलेम से गरजेगा।” एक बार फिर यहोवा का दिन आता है, और सूर्य और चंद्रमा अन्धकारमय हो जाते हैं। तो जोएल की पुस्तक में बिखरे हुए उन तीन संदर्भों में, ऐसा लगता है जैसे आपके पास प्रभु के उसी दिन का संदर्भ है। ये वही शब्द हैं।

अब मुझे ऐसा लगता है कि यह सुझाव देता है कि उन तीन स्थानों में उल्लिखित भगवान के दिन को ऐतिहासिक रूप से एक ही दिन समझा जाना चाहिए। यदि यह सत्य है तो इसका मतलब है कि पुस्तक के तीन अलग-अलग खंडों में इस “दिन” के तीन समानांतर विवरण हैं। प्रभु के आने वाले दिन के इन तीन विवरणों को एक-दूसरे के पूरक के रूप में देखा जा सकता है , जो एक ही

विषय के तीन अलग-अलग पहलुओं पर जोर देते हैं। मुझे ऐसा लगता है कि यह प्रश्न के मूल में है: पुस्तक की संरचना कैसी है?

3. वेन्नॉय की जोएल की संरचना

ए. योएल 1:1-20 टिड्डी प्लेग फिर वहां 3 पर अपनी रूपरेखा देखें। पुस्तक दो खंडों में विभाजित है और वह विभाजन 2:17 और 18 पर नहीं है, बल्कि यह दो खंडों में विभाजित है रोमन अंक I, अध्याय 1:1-20ए है - एक समकालीन टिड्डी प्लेग का वर्णन। मैं इसे शाब्दिक टिड्डियों की महामारी के रूप में लेता हूं जो जोएल के मंत्रालय के समय में हुई थी, और वह इसे प्रभु के फैसले के रूप में व्याख्या करता है और पश्चाताप का आह्वान करता है।

पुस्तक का दूसरा भाग 2:1 से शुरू होता है और अंत तक जाता है। पुस्तक के दूसरे खंड में आप जो पाते हैं वह प्रभु के आने वाले दिन के तीन विवरण हैं और ये तीन विवरण एक दूसरे के पूरक हैं। वे प्रभु के दिन के आगमन के विभिन्न पहलुओं को संबोधित करते हैं।

बी। योएल 2:1-27: लोकस इमेजरी का उपयोग करते हुए प्रभु का दिन, आपके पास प्रभु के दिन के तीन समानांतर विवरण हैं। 2:1-27 में प्रभु के दिन का वर्णन वर्तमान टिड्डियों और सूखे की कल्पना में किया गया है। दूसरे शब्दों में, जोएल ने अध्याय 1 की भाषा चुनी है जिसमें उसने शाब्दिक टिड्डियों की महामारी का वर्णन किया है और उसका उपयोग प्रभु के युगांतकारी दिन के बारे में बात करने के लिए किया है।

सी। योएल 2:28-31 पवित्र आत्मा और प्रभु का दिन

2:28-32 में जिसे यदि आप अपनी हिब्रू बाइबिल में देखेंगे तो पाएंगे कि यह एक अलग अध्याय है। मैसोरेटिक पाठ में यह अध्याय 3 है। दूसरे शब्दों में, हिब्रू में 2:28-32 को पिछले भाग 2:1-27 से स्पष्ट रूप से अलग रखा गया है। 2:28-32 में आपके पास पवित्र आत्मा के आने का वादा है जो प्रभु के दिन से पहले आएगा। यह अधिनियम 2 की पुस्तक में उद्धृत वह प्रसिद्ध मार्ग है,

"मैं अपनी आत्मा को सभी प्राणियों पर उंडेलूंगा" और यह कि सभी प्राणियों पर आत्मा का उंडेलना प्रभु के दिन से पहले होगा। तो यहाँ प्रभु के दिन के आगमन का दूसरा वर्णन है जो इसके एक अलग पहलू पर केंद्रित है।

डी। योएल 3:1-21 राष्ट्रों पर निर्णय और परमेश्वर के लोगों का उद्धार: प्रभु का दिन फिर प्रभु के दिन के आने का तीसरा विवरण 3:1-21 है। मैसोरेटिक पाठ में यह एक अलग अध्याय भी है, यह अध्याय 4 है, जो प्रभु के दिन के आने के संबंध में राष्ट्रों पर फैसले और भगवान के लोगों के उद्धार की बात करता है।

इ। जोएल की संरचना का सारांश तो मुझे ऐसा लगता है कि जोएल की पुस्तक में संरचनात्मक रूप से, आपके पास अध्याय एक है: टिड्डी प्लेग का वर्णन। फिर अध्याय 2 के अंत तक प्रभु के दिन के आने के तीन समानांतर वर्णन हैं। आप 2:10 और 11, 2:31 और 3:15 की भाषा के कारण उस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं जो सभी एक ही भाषा में प्रभु के दिन के आने का वर्णन करते हैं। जब हम सामग्री में उतरेंगे तो हम संरचना पर वापस आएंगे और 2:17 और 18 को उन लोगों के साथ देखेंगे जो 2:17 और 18 पर पुस्तक को दो खंडों में विभाजित करना चाहते हैं जो आने वाले दिन के तीन समानांतर विवरणों के इस विचार को अस्पष्ट करता है। प्रभु की।

4. सामग्री पर टिप्पणियाँ: a. योएल 1:1-20 वर्तमान टिड्डी प्लेग का विवरण चार सामग्री पर कुछ टिप्पणियाँ हैं। एक। 1:1-20 है। वह रूपरेखा में रोमन अंक I है, "वर्तमान टिड्डी प्लेग का विवरण।" अध्याय 1 में आप जो पाते हैं वह योएल के समय में टिड्डियों की महामारी का वर्णन है, लेकिन सिर्फ टिड्डियों की महामारी का नहीं। टिड्डी प्लेग को सूखे और आग के साथ जोड़ दिया गया था। पद 12 को देखो, "बेल सूख गई है, और अंजीर का पेड़ सूख गया है; अनार, ताड़ और सेब के वृक्ष, मैदान के सब वृक्ष सूख गए हैं। निःसन्देह मानवजाति का आनन्द नष्ट हो गया है।" श्लोक 20 को देखें, "जंगली जानवर भी तेरे लिये हांफते हैं; जल की धाराएँ सूख गई हैं और खुली चरागाहें आग से भस्म हो गई हैं।" आयत 19 यह भी कहती है, "आग ने खुली चरागाह

को भस्म कर दिया है, मैदान के सभी पेड़ आग की लपटों से जल गए हैं।" तो इस फैसले का वर्णन टिड्डी प्लेग का एक संयोजन है, हाँ, लेकिन सूखा और आग भी। सूखे के साथ अक्सर आग भी लग जाती है। इसका अनुभव करने के लिए आपको कैलिफ़ोर्निया में रहना होगा। लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि 1:1-20 में जोएल एक वास्तविक टिड्डी प्लेग और सूखे का वर्णन कर रहा है, कुछ लोगों के विपरीत जो केवल प्रतीकवाद और रूपक देखते हैं। वह इसकी व्याख्या ईश्वर के फैसले के रूप में करते हैं और इस तरह यह पश्चाताप का आह्वान है और उस परिप्रेक्ष्य में यह प्रभु के दिन की अभिव्यक्ति है। श्लोक 15 में, "उस दिन के लिए अफ़सोस! क्योंकि यहोवा का दिन निकट है।" एनआईवी का कहना है, "यह सर्वशक्तिमान की ओर से विनाश की तरह आएगा।" उसका अनुवाद भविष्य की बजाय वर्तमान में किया जा सकता है। "यह सर्वशक्तिमान से विनाश की तरह आता है।" यह टिड्डियों का प्रकोप दिन की अभिव्यक्ति है।

यह वह परिप्रेक्ष्य है कि यह निर्णय प्रभु के दिन की अभिव्यक्ति है जो जोएल को वर्तमान स्थिति से युगांत सिद्धांत की ओर बढ़ने में सक्षम बनाता है। परमेश्वर उन सब पर न्याय करेगा जो पश्चाताप नहीं करते और यहोवा का नाम नहीं लेते। तो मुझे ऐसा लगता है कि पहले अध्याय में यही चल रहा है।

टिड्डियों के लिए चार शर्तें

आइए कुछ छंदों पर नजर डालें। श्लोक 4 वह श्लोक है जिसमें चार अलग-अलग प्रकार की टिड्डियों का उल्लेख है, "टिड्डियों के झुंड ने जो कुछ छोड़ा, उसे बड़ी टिड्डियों ने खा लिया; बड़ी टिड्डियों ने जो कुछ बचा है उसे जवान टिड्डियों ने खा लिया है; युवा टिड्डियों ने जो कुछ छोड़ा, उसे अन्य टिड्डियों ने खा लिया।" टिड्डियों के लिए चार अलग-अलग हिब्रू शब्द। आप उससे क्या करते हैं? कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि संदर्भ टिड्डियों के जीवन के चरणों से है। इसके साथ समस्या यह है कि 2:25 में आपके पास वही चार शब्द उपयोग किए गए हैं लेकिन उनका उपयोग एक अलग क्रम में किया गया है। 2:25 में, "मैं उन वर्षों का बदला तुम्हें चुकाऊंगा जिन्हें टिड्डियों ने खा लिया है - बड़ी टिड्डी और युवा टिड्डी, अन्य टिड्डियां और टिड्डी झुंड - मेरी बड़ी सेना जिसे मैंने तुम्हारे बीच भेजा था।" यदि यह विकास के चरण हैं तो आप सोचेंगे कि क्रम समान होगा। इसलिए मैं यह सोचने का इच्छुक नहीं हूँ कि यह विकास का चरण है।

दिलचस्प बात यह है कि हिब्रू में टिड्डियों के लिए नौ शब्द हैं। हिब्रू में टिड्डियों के लिए एक समृद्ध शब्दावली है। जहां तक मैं जानता हूं अंग्रेजी में केवल एक शब्द है। इन हिब्रू शब्दों के इन भेदों के लिए अंग्रेजी में कोई समकक्ष नहीं है। और वास्तव में अंतर क्या है, मुझे यकीन नहीं है। लेकिन मुझे यहां के चार शब्दों में बेबीलोन, फारस, ग्रीस और रोम या असीरिया, बेबीलोन, ग्रीस और रोम को देखने के रूपक दृष्टिकोण का कोई आधार नहीं दिखता।

विनाश का वर्णन अब आइए श्लोक 5, 9 और 13 को देखें। श्लोक 5 कहता है, “हे शराबियों, उठो, और रोओ! हे सब दाखमधु पीनेवालों, हाय-हाय करो; नये दाखमधु के कारण विलाप करो, क्योंकि वह तुम्हारे होठों से छीन लिया गया है।” पद 9, “यहोवा के भवन में अन्नबलि और अर्घ देना बन्द कर दिया गया है।” पद 13, “हे याजकों, टाट बान्धो, और विलाप करो; तुम जो वेदी के साम्हने सेवा करते हो, विलाप करो। हे मेरे परमेश्वर के सेवा टहल करनेवालो, आओ, टाट ओढ़कर रात बिताओ; क्योंकि अन्नबलि और अर्घ तेरे परमेश्वर के भवन में रोक दिए गए हैं।” श्लोक 5, 9, और 13 हमें बताते हैं कि प्लेग इतना विनाशकारी था कि मंदिर के भोजन और पेय प्रसाद के लिए पर्याप्त वनस्पति नहीं बची थी। वहाँ कोई नया दाखमधु न था, भूमि उजाड़ थी।

नेशनल ज्योग्राफिक के दिसंबर 1915 अंक में फ़िलिस्तीन में आए इसी तरह के टिड्डियों के प्रकोप का वर्णन है। उस लेख के लेखक ने 1915 में टिड्डी प्लेग की तबाही में जो देखा उसका एक प्रत्यक्षदर्शी विवरण है। मैं इसे पूरा नहीं पढ़ूंगा लेकिन समानताएं दिलचस्प हैं। टिड्डियों के उन झुंडों द्वारा वनस्पति को जितना नष्ट किया जा सकता है वह आश्चर्यजनक है। तो मुझे लगता है कि जोएल उस तरह की प्लेग का वर्णन कर रहा है।

पश्चाताप का आह्वान श्लोक 13 और 14 में, उस फैसले के आलोक में, जोएल लोगों से पश्चाताप करने और ईश्वर को पुकारने का आह्वान करता है। पद 13, “हे याजकों, टाट बान्धो, और विलाप करो; तुम जो वेदी के साम्हने सेवा करते हो, विलाप करो। हे मेरे परमेश्वर के सेवा टहल करनेवालो, आओ, टाट ओढ़कर रात बिताओ; क्योंकि अन्नबलि और अर्घ तुम्हारे परमेश्वर के भवन में रोक दिए गए हैं। एक पवित्र व्रत घोषित करें; एक पवित्र सभा बुलाओ। पुरनियों को और उस देश के सब

रहनेवालोंको अपने परमेश्वर यहोवा के भवन में बुलाओ, और यहोवा की दोहाई दो। वह प्रभु के पास लौटने के लिए प्रार्थना और उपवास का आह्वान करता है। वह समझता है कि यह आपदा ईश्वर का कार्य है। ईश्वर इज़राइल के इतिहास में न केवल आशीर्वाद देने में बल्कि न्याय करने में भी कार्य करता है। यहां व्यवस्थाविवरण 28:38 और 42 में वाचा के श्रापों की प्राप्ति हुई थी। व्यवस्थाविवरण 28:38 पर वापस जाएं, "तुम खेत में बीज तो बहुत बोओगे, परन्तु उपज कम पाओगे, क्योंकि टिड्डियां उसे खा जाएंगी।" यह वाचा के अभिशापों में से एक है। जब आप प्रभु से दूर हो जाते हैं तो आप कुछ चीज़ों के घटित होने की उम्मीद कर सकते हैं। श्लोक 42, "टिड्डियाँ तुम्हारे सब वृक्षों और तुम्हारी भूमि की उपज पर अधिकार कर लेंगी।" तो जोएल उस वाचा अभिशाप का एहसास है।

जोएल में दिलचस्प बात - अध्याय 1 पद 3 पर वापस जाएँ, "इसे अपने बच्चों को बताएं, और अपने बच्चों को अपने बच्चों को, और उनके बच्चों को अगली पीढ़ी को बताएं।" दूसरे शब्दों में, परमेश्वर के ये शक्तिशाली कार्य केवल मुक्ति और मोक्ष के कार्य नहीं हैं, जैसे कि निर्गमन फसह के समय जब इज़राइल को यह याद रखना था और पीढ़ी दर पीढ़ी बच्चों को बताना था। यहां आपको भगवान के फैसले को याद रखना है और इसे पीढ़ी दर पीढ़ी अपने बच्चों को बताना है।

श्लोक 15, जिस पर मैंने पहले ही टिप्पणी कर दी है, कहता है, "आज के दिन के लिए अफ़सोस! क्योंकि यहोवा का दिन निकट है; यह सर्वशक्तिमान की ओर से विनाश के समान आएगा।" जोएल यहोवा के दिन को निकट देखता है। ऐसा प्रतीत होता है कि वह प्रभु के उस दिन को देखता है जिसमें समसामयिक टिड्डियों का प्रकोप शामिल है या शायद उसके आने का संकेत है। इस तरह से देखा जाए तो यह एक अनंतिम ईश्वरीय निर्णय है जिसका उद्देश्य आने वाले महान दिन की ओर इशारा करना है। तो, मुझे ऐसा लगता है कि अध्याय एक में यही चल रहा है।

जोएल 2:1- 3:21 3 यहोवा के दिन का विवरण

हम पुस्तक के दूसरे खंड की ओर बढ़ते हैं, जो 2:1 से 3:21 तक है, जिसमें आपके पास प्रभु के दिन के आने के ये तीन समानांतर विवरण हैं - इस अनंतिम दिव्य के विपरीत प्रभु का युगांतकारी दिन अध्याय 1 में निर्णय।

योएल 2:1-27 लोकस्ट इमेजरी का उपयोग करते हुए प्रभु का दिन और उन तीन विवरणों में से पहला 2:1-27 में है, जो छंद 28-32 के अपवाद के साथ अध्याय 2 का बड़ा हिस्सा है, जो जैसा कि मैंने पहले ही उल्लेख किया है, हिब्रू बाइबिल में एक अलग अध्याय है। तो योएल 2:1-27 अध्याय 1 की वर्तमान टिड्डी विपत्ति की कल्पना में वर्णित प्रभु का दिन। यह अध्याय 1 और अध्याय 2 के संबंध का वह प्रश्न है जो सर्वनाशकारी व्याख्या के साथ फिट बैठता है जहां आप शाब्दिक से आलंकारिक की ओर बढ़ते हैं या अध्याय 2 में प्रतीकात्मक भाषा।

श्लोक 1-11. अध्याय 1 में टिड्डी प्लेग की कल्पना का वर्णन इस प्रकार किया गया है जो पहले ही घटित हो चुकी है। अध्याय 2 में किसी प्रक्रिया का वर्णन है। अध्याय 1 में क्रियाओं के पूर्ण काल को अधिकांश भाग में प्रतिस्थापित कर दिया गया है, विशेष रूप से 2:3-9 में अध्याय 2 में अपूर्ण क्रियाओं द्वारा। अध्याय 2 इस प्रकार कुछ ऐसी चीज़ के बारे में बताता है जो या तो घटित होगी या घटित होने की प्रक्रिया में है। क्रिया के काल में परिवर्तन होता है। अध्याय 2 में टिड्डियाँ मानव आक्रमणकारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले युगांतकारी प्रतीक बन गई हैं।

फ्रीमैन इस संबंध में श्लोक 20 में "उत्तर से आक्रमणकारी" अभिव्यक्ति की जांच करता है। 2:20 में आपने पढ़ा, "मैं उत्तरी सेना को तुमसे बहुत दूर खदेड़ दूँगा, और उसे सूखी और बंजर भूमि में धकेल दूँगा, जिसके आगे के स्तम्भ पूर्वी समुद्र में और पीछे के स्तम्भ पश्चिमी समुद्र में चले जाएँगे। और उसकी दुर्गन्ध ऊपर उठेगी; इसकी गंध उठेगी।" फ्रीमैन की टिप्पणी, "'उत्तर' पुराने नियम में एक तकनीकी शब्द है जो अक्सर सर्वनाशकारी प्रकृति के अंशों में प्रकट होता है और ऐसे संदर्भों में हमेशा इज़राइल के दुश्मनों का प्रतीक होता है। इस संबंध में इसका उपयोग यह इंगित करने के लिए भी किया जाता है कि फिलिस्तीन पर विपत्ति और दुर्भाग्य किस दिशा से आते हैं। अश्शूर और बेबीलोन हिब्रू राष्ट्र के खिलाफ उत्तर से बाहर आए और पवित्रशास्त्र में न केवल इज़राइल के समकालीन शत्रु के रूप में दिखाई देते हैं, बल्कि उसके अंतिम समय के शत्रु के रूप में भी प्रकट होते हैं, जो उत्तर से बाहर आना था, यानी, युगांतकारी 'उत्तरी'।" और वहां कई संदर्भ हैं। उस युगान्तकारी उत्तरवासी का उल्लेख जकर्याह, यिर्मयाह, यहेजकेल, यशायाह और सपन्याह में किया गया है। मैं उन सभी सन्दर्भों को देखने में समय नहीं लगाऊंगा।

उत्तरी शत्रु मैंने आपके उद्धरणों के पृष्ठ 37 पर एलन की एनआईसीओटी टिप्पणी से एक पैराग्राफ शामिल किया है क्योंकि मुझे लगता है कि वह इस भाषा और साहित्य के एक अन्य प्रसिद्ध टुकड़े के बीच एक दिलचस्प सादृश्य बनाता है। वह कहते हैं, "टिड्डियों को सामूहिक रूप से 'नॉर्थरनर' कहा जाता है। कीड़े आम तौर पर यहूदा पर दक्षिण या दक्षिण-पूर्व से हमला करते हैं, जो प्रचलित हवा से प्रभावित होते हैं, लेकिन उत्तर से आने के मामले ज्ञात हैं। 1915 में यरूशलेम में जो प्लेग आया था, "यह वही है जो नेशनल ज्योग्राफिक में था," पूर्वोत्तर से आया था। संभवतः जोएल के समय में शुरुआत उत्तर से हुई; अन्य तीन दिशाओं में भौगोलिक विशेषताओं के आगामी संदर्भ इस अनुमान का समर्थन करते हैं। लेकिन जैसा कि 2:1-11 में टिड्डियों को मानसिक चश्मे से देखा गया था, इसलिए यहां वर्तमान शब्द का प्राकृतिक पर एक अलौकिक आयाम आरोपित है। पहले के भविष्यवक्ताओं ने 'उत्तर के शत्रु' का भयानक विवरण दिया था।" अब एलन, जोएल को देर से बताता है, इसलिए वह उन अन्य भविष्यवक्ताओं के बारे में कह रहा है, जैसे कि यिर्मयाह, यहेजकेल और यशायाह, जिन्होंने पहले इस उत्तरी शत्रु के बारे में बात की थी। "पहले के भविष्यवक्ताओं ने 'उत्तर के शत्रु' का भयानक वर्णन किया था। इस वाक्यांश में टॉल्किन के मोर्डोर के गंभीर मेजबानों का स्वाद कुछ-कुछ है। यहेजकेल 38:15 में; 39:2 गोग की सर्वनाशकारी भीड़ सुदूर उत्तर से यहूदा को नष्ट करने के लिए आती है, लेकिन यहोवा के पलटवार से वह नष्ट हो जाती है। अब मुझे ऐसा लगता है कि जोएल ईजेकील 38-39 जैसी ही बात कर रहा है। "यहेजकेल के समय से पहले भी, यिर्मयाह ने इस विषय को अपना बना लिया था, और बार-बार इसका उपयोग बुराई की अलौकिक ताकतों का वर्णन करने के लिए किया था, जिन्हें यहोवा एक पापी यहूदा को दंडित करने के लिए अपने एजेंटों के रूप में नियुक्त करेगा।" मैं अगला पैराग्राफ नहीं पढ़ूंगा. लेकिन आपको इस उत्तरी सेना का संदर्भ श्लोक 20 में मिलता है जिसे प्रभु भगा देंगे।

टिड्डे की कल्पना में ईश्वर का न्याय मैंने अध्याय का पिछला भाग नहीं पढ़ा है । पाठ का स्वाद जानने के लिए मुझे इसके कुछ छंद पढ़ने दीजिए। आइए अध्याय 2 के पहले सात छंदों को देखें, "सिथ्योन में तुरही बजाओ; मेरी पवित्र पहाड़ी पर अलार्म बजाओ। देश के सब रहनेवाले कांप उठें, क्योंकि यहोवा का दिन आता है। यह बहुत करीब है—अंधेरे और उदासी का दिन, बादलों और

अंधकार का दिन। जैसे भोर पहाड़ों पर फैलती है, एक बड़ी और शक्तिशाली सेना आती है, जैसी न तो पहले कभी थी और न ही आने वाले युग में कभी होगी। उनके पहिले आग भस्म करती है, उनके पीछे ज्वाला भड़कती है। उनके सामने भूमि अदन की बाटिका के समान है, उनके पीछे रेगिस्तान उजाड़ है—उनसे कुछ भी नहीं बचता।”

तो, यह टिड्डियों की कल्पना है। “वे घोड़ों के समान दिखते हैं, वे घुड़सवारों की तरह सरपट दौड़ते हैं। वे रथों के समान शोर के साथ पर्वतों की चोटियों पर उछलते हैं, जैसे खड़खड़ाती हुई आग खूँटी को भस्म कर देती है, जैसे युद्ध के लिए तैयार की गई एक शक्तिशाली सेना होती है। उनको देखते ही जाति जाति के लोग व्याकुल हो उठते हैं; हर चेहरा पीला पड़ जाता है। वे योद्धाओं की तरह आक्रमण करते हैं; वे सैनिकों की तरह दीवारें लांघते हैं। वे सभी पंक्ति में आगे बढ़ते हैं, अपने मार्ग से नहीं हटते। वे एक-दूसरे से धक्का-मुक्की नहीं करते।” फिर पद 9, “वे नगर पर धावा बोलते हैं।” तो भूमि पर टिड्डियों के आने की कल्पना में इस विनाश की यह तस्वीर भगवान के फैसले की है।

योएल 2:12-17 पश्चाताप का आह्वान छंद 12-17 पश्चाताप का आह्वान है। श्लोक 12 कहता है, “प्रभु की यह वाणी है, ‘अब भी,’ उपवास, और रोते, और विलाप करते हुए, अपने सम्पूर्ण मन से मेरे पास लौट आओ।’ अपना दिल फाड़ो, अपने कपड़े नहीं। अपने परमेश्वर यहोवा के पास लौट आओ, क्योंकि वह दयालु और कृपालु है, क्रोध करने में धीमा और अति प्रेममय है, और विपत्ति डालने से प्रसन्न नहीं होता। कौन जानता है? वह फिरे, और दया करे, और तेरे परमेश्वर यहोवा के लिये अन्नबलि और अर्घ, अर्थात् आशीष दे। सिख्योन में तुरही बजाओ, पवित्र उपवास की घोषणा करो, एक पवित्र सभा बुलाओ। लोगों को इकट्ठा करो, सभा को पवित्र करो, पुरनियों को इकट्ठा करो, बच्चों को, और दूध पिलानेवालों को इकट्ठा करो। दूल्हे को अपना कमरा और दुल्हन को अपना कमरा छोड़ देना चाहिए। जो याजक यहोवा के साम्हने सेवा टहल करते हैं वे मन्दिर के ओसारे और वेदी के बीच में रोएं। वे कहें, ‘हे यहोवा, अपने लोगों को बचा ले। अपनी विरासत को अन्यजातियों के बीच अपमान और उपहास का कारण न बनाओ। उन्हें लोगों के बीच में क्यों कहना चाहिए, “उनका भगवान कहां है?”’ इसलिए पश्चाताप के लिए बहुत कड़े शब्दों में आह्वान किया गया है, “अपने दिल

फाड़ो, अपने कपड़े नहीं।"

योएल 2:18-27 प्रभु की प्रतिक्रिया श्लोक 18-27 प्रभु की प्रतिक्रिया का वर्णन करता है। श्लोक 18 में एक अनुवाद मुद्दा है। आपने देखा कि आपके हैंडआउट में मैंने पाँच अंग्रेजी भाषा संस्करणों के अनुवाद दिए हैं। राजा जेम्स कहते हैं, "प्रभु को ईर्ष्या होगी," यह भविष्य है। न्यू स्कोफील्ड, "तब प्रभु को ईर्ष्या हुई," अतीत। एनआईवी, "प्रभु को ईर्ष्या होगी," भविष्य। नया अमेरिकी मानक, "तब प्रभु को ईर्ष्या होगी।" नया संशोधित मानक संस्करण, "तब प्रभु को ईर्ष्या हुई," वह अतीत है। अब यहाँ प्रश्न यह है कि क्या पद 18 आपको किसी ऐसी चीज़ के बारे में बता रहा है जो घटित होगी या जो पहले ही घटित हो चुकी है। मैं उन अनुवादों में कुछ जोड़ सकता हूँ। एनआरएसवी की तरह ही अंग्रेजी मानक संस्करण "यह आया"। नया जीवन भविष्य है "तब यहोवा अपनी प्रजा पर दया करेगा, और ईर्ष्या करके अपने देश की रक्षा करेगा।" तो 18 और "प्रभु की प्रतिक्रिया" का पालन करें।

कई लोग सोचते हैं कि यह कोई भविष्यवाणी नहीं है बल्कि जो कुछ हुआ उसका विवरण है। यदि आप इसे इस तरह समझते हैं तो आप इसका अनुवाद अतीत के रूप में करते हैं। क्रियाओं का अनुवाद पूर्ण क्रिया के अर्थ में किया जाता है। ऐसे मामलों में श्लोक 17 और 18 के बीच एक विराम माना जाता है जिसमें कोई यह मानता है कि जोएल ने पश्चाताप का दिन बुलाया था। क्योंकि 17 पश्चाताप के लिए एक आह्वान था, धारणा यह है कि पश्चाताप की पेशकश कुछ ऐसी थी जिसे देखा गया था, और फिर 18 में और उसके बाद आपको प्रभु की प्रतिक्रिया मिलेगी। यह पहले से ही प्रकट पश्चाताप के परिणामस्वरूप अपने लोगों के साथ भगवान के रिश्ते में बदलाव का वर्णन है। यह तब पूरी पुस्तक में प्रमुख विभाजन बिंदु बन जाता है, जैसा कि बुलॉक और अन्य लोगों द्वारा व्याख्या की गई है।

मेरे विचार से, इसमें समस्या यह है कि संभवतः पश्चाताप के दिन का कोई उल्लेख नहीं है। इसकी मांग की गई है लेकिन इसके वास्तव में लागू होने का कोई विवरण नहीं है। और अनुच्छेद के शेष भाग में जो कुछ भी शामिल है, उसकी व्याख्या करना कठिन है क्योंकि यह पहले ही घटित हो चुका है, भले ही अध्याय केवल समकालीन टिड्डी प्लेग को संदर्भित करता हो। इससे मेरा तात्पर्य

यह है कि, प्रभु की प्रतिक्रिया के बाद श्लोक 19 को देखें। पद 19 में यहोवा कहता है, मैं फिर तुझे जाति जाति के बीच में बदनाम न होने दूंगा। एनआईवी कहता है, "मैं तुम्हें फिर कभी राष्ट्रों के लिए तिरस्कार का पात्र नहीं बनाऊंगा।" श्लोक 20 कहता है, "मैं उत्तरी सेना को तुम्हारे पास से खदेड़ दूंगा, और उत्तर से आक्रमणकारी को हटा दूंगा।" श्लोक 25 कहता है, "मैं तुम्हें उन वर्षों का बदला दूंगा जो टिड्डियों ने खाये हैं।" लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात श्लोक 26बी और 27ए को देखें। 26बी कहता है, "मेरे लोग फिर कभी शर्मिंदा नहीं होंगे। और 27बी भी यही बात कहता है, "मेरे लोग फिर कभी शर्मिंदा नहीं होंगे।" यदि कोई यह समझता है कि जोएल टिड्डियों की महामारी और पश्चाताप के आह्वान का वर्णन कर रहा है जो छंद 17, और 18 और फिर 18 के बीच देखा गया था, तो यह प्रभु की प्रतिक्रिया है और आप इसे पिछले काल में अनुवादित करते हैं, "प्रभु को अपनी भूमि के लिए ईर्ष्या हुई थी", उन्होंने अपने लोगों पर गहरी दया की, "आप उस प्रतिक्रिया के शेष प्रवाह में यह बयान कैसे दे सकते हैं "मेरे लोग फिर कभी शर्मिंदा नहीं होंगे"? जोएल के समय के बाद इजराइल को बार-बार शर्मसार होना पड़ा।

जोएल 2:18 और प्रोफेटिक परफेक्ट तो हमें पद 18 में अनुवाद के मुद्दे पर वापस लाता है। यदि आप हिब्रू पाठ को देखते हैं तो अपूर्ण के साथ लगातार एक *वाह है* / "और प्रभु" का आप सामान्य रूप से अनुवाद करेंगे कि "अपनी भूमि के लिए ईर्ष्यालु था।" वह *वाह* लगातार अपूर्ण काल को सामान्य रूप से पूर्ण क्रिया में फेंक देता है। और दूसरा वाक्यांश "और उसके लोगों पर दया करो" उसी रूप का उपयोग करता है, जो अपूर्ण के साथ लगातार होता है / *हालाँकि, आपरिडरबोस* में इस चर्चा को देखते हैं, उदाहरण के लिए, साथ ही साथ अन्य, यह तर्क देते हैं कि अपूर्ण के साथ लगातार *चलने वाला रूप क्रियाओं को भविष्य के रूप में अनुवाद करने की संभावना को बाहर नहीं करता है*। "परन्तु तब यहोवा को अपने देश के लिये जलन होगी।" एनआईवी इसका अनुवाद इसी प्रकार करता है। यदि आप व्याकरण में देखें, जौन *ए ग्रामर ऑफ बाइबिलिकल हिब्रू* में, जिसे सर्वश्रेष्ठ हिब्रू व्याकरणों में से एक माना जाता है, पैराग्राफ 112एच में 'भविष्यवाणी पूर्ण' की चर्चा में कहा गया है, "भविष्यवाणी पूर्णता की यह धारणा इब्र एज्रा द्वारा विस्तारित की गई है," एक प्रारंभिक यहूदी विद्वान, "यहां तक कि योएल 2:18 के अनुसार *यिकटोल के मामलों* के लिए, उसकी टिप्पणी

देखें।" दूसरे शब्दों में, तर्क यह है कि आपके पास पूर्ण काल की पूर्ण कार्रवाई के लिए एक भविष्यसूचक परिपूर्ण है, जहां तक इसके विचार का संबंध है, इसे भविष्य माना जा सकता है। यह अपूर्ण के साथ लगातार समानता का सच है जो वास्तव में एक ही अवधारणा बनाता है /तो यहां आप एक व्याख्यात्मक मुद्दे पर आते हैं जो कड़ाई से या केवल हिब्रू क्रिया के रूप से निर्धारित नहीं होता है। जहां तक भविष्यसूचक परिपूर्णता का सवाल है, आपको संदर्भ को देखना होगा और निर्णय लेना होगा। अब हम इसे ओबद्याह के साथ देखते हैं, "मैं तुम्हें राष्ट्रों के बीच छोटा बनाऊंगा," एदोम के बारे में बात करते हुए। क्या यह भविष्य के बारे में बात कर रहा है या "मैंने तुम्हें छोटा कर दिया है"? आपको उस संदर्भ में संघर्ष करना होगा। मौखिक रूप आपको किसी भी ओर जाने की अनुमति देगा।

आप किसी *अपूर्ण को* भविष्यसूचक पूर्णता के रूप में ले सकते हैं। मुझे लगता है कि संभवतः ऐसा करना सबसे अच्छी बात है। यदि आप ऐसा करते हैं तो श्लोक 17 और 18 जोएल की पुस्तक में एक प्रमुख विभाजन बिंदु नहीं बनते हैं। फिर अध्याय 2 श्लोक 1 से श्लोक 27 तक चलता है।

हम यहां रुकेंगे और अगली बार इसे उठाएंगे और जोएल में थोड़ा और समय बिताएंगे, विशेष रूप से जोएल 2:28-32 पर, जहां आपको सभी प्राणियों पर आत्मा का उंडेला जाना और प्रेरितों के काम में उद्घरण मिलता है। फिर हम योना के बारे में अपनी चर्चा शुरू करेंगे।

टेड हिल्डेब्रांट द्वारा लिखित और संपादित
केटी एल्स द्वारा संपादित
टेड हिल्डेबैड्ट द्वारा पुनः सुनाया गया